अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्वज्ञान वर्ष : 2018 **दिनांक : 21-12-2018**

समय : 3 घंटा **द्वितीय वर्ष-द्वितीय- प्रश्न पत्र** **पूर्णांक : 100**

नव पदार्थ : जीव-अजीव

प्र. 1 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए। 10

(जीव)किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें

(क) जीव को सत्व क्यों कहा गया है?

(ख) भाव का अर्थ क्या है? परिभाषा लिखें।

(ग) विज्ञ से क्या अभिप्राय है?

(घ) जीव का नाम पुद्गल क्यों है?

(ङ) जीव का योनी नाम किस संदर्भ में दिया गया है?

(अजीव)किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दें

(क) वैस्त्रसिक शब्द किसे कहते हैं?

(ख) परछाई किसे कहते हैं?

(ग) अंधकार किसे कहते हैं?

प्र. 2 दोनों प्रश्नों के उत्तर व्याख्या सहित लिखें(प्रत्येक खंड से एक प्रश्न करें)। 10

(क) जीवसुविनीत व अविनीत किसे कहते हैं? ये भाव जीव कैसे हैं?

अथवा

परिणामी नित्य से क्या तात्पर्य है?

(ख) अजीवकाल द्रव्य शाश्वत-अशाश्वत कैसे है?

अथवा

द्रव्यों में कितने द्रव्य सक्रिय हैं और कितने निष्क्रिय?

प्र. 3 निम्न प्रश्नों का उत्तर विस्तार सहित लिखो। 20

(क) जीवसिद्ध करें कि आत्मा-शरीर और इन्द्रिय से भिन्न एक स्वतंत्र द्रव्य है।

अथवा

द्रव्य जीव को विस्तार से समझाएं?

(ख) अजीवपुद्गल का क्या स्वरूप है?

अथवा

धर्म-अधर्म और आकाश के लक्षण प पर्याय संख्या लिखें।

अवबोधजीव से संवर30

प्र. 4 किन्हीं सात प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्य में लिखें। 7

(क) संवर की स्थिति कितनी है?

(ख) योग की उत्पत्ति का तात्त्विक आधार क्या है?

(ग) पाप कर्म में चार स्पर्श कौन से हैं?

(घ) रति-अरति किसे कहते हैं?

(ङ) पुण्य और पुण्य प्रकृतियां एक हैं या दो?

(च) लोक में जीव ज्यादा हैं या अजीव?

(छ) न्यग्रोध परिमंडल संस्थान किसे कहते हैं।

(ज) ओज आहार किसे कहते हैं?

(झ) योनि किसे कहते हैं?

प्र. 5 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें। 8

(क) आश्रव आत्म-परिणाम को कहते हैं या आकर्षित होने वाली कर्म वर्गणा को?

(ख) मिथ्यादर्शन को शल्य क्यों कहा गया है?

(ग) प्राण और प्रर्याप्ति में क्या अन्तर है?

प्र. 6 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दें। 15

(क) नमस्कार पुण्य को अलग क्यों बताया गया है?

(ख) प्राणातिपात विरमण संवर आदि पन्द्रह भेद किसके अन्तर्गत आते हैं?

(ग) अजीव के सर्वाधिक प्रकार कितने हैं?

(घ) आगमों में समागत पंडित, बाल और बाल पंडित का संबंध संवर से है या निर्जरा से? तथा संवर औदारिक शरीर में ही होता है या अन्य शरीर में भी?

प्र. 7 किन्हीं पांच प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दें। 5

(क) णमो अरहंताणं का ध्यान किस केन्द्र पर किस रंग के साथ किया जाता है?

(ख) सिद्धों का निवास कहां है?

(ग) सम्यक्त्व विनाश के हेतु क्या हैं?

(घ) आठ गणि सम्पदा में से अंतिम चार संपदाओं के नाम लिखें।

(ङ) अंतिम समुद्र का नाम क्या है? और उसके बाद क्या है?

(च) क्या अभवी साधु बन सकता है?

(छ) प्रतिक्रमण के कितने प्रकार हैं?

प्र. 8 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दो-तीन वाक्य में दें। 10

(क) सम्यक्त्व प्राप्ति के पश्चात् जीव संसार में कब तक परिभ्रमण कर सकता है?

(ख) क्या लौकिक देवों की पूजा करने से सम्यक्त्व दूषित होता है?

(ग) श्रावक के सामायिक कितनी कोटि से की जाती है?

(घ) प्रार्थना के स्थान पर वंदना शब्द का प्रयोग क्यों?

(ङ) आचार्य की छह कसौटियों में से 'शक्तिशाली होना' की व्याख्या करें।

(च) अर्हत की उपासना के लिए कौन सा मंत्र प्रचलित है? तथा उसका तृतीय प्रयोग लिखें।

(छ) णमोक्कार मंत्र के जप का क्या उद्देश्य होना चाहिए?

प्र. 9 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर व्याख्या सहित लिखें। 15

(क) क्या श्रावक लौकिक देवों, कुल देवों अथवा अन्य मत के देवों की पूजा करता है? वंदना नमस्कार करता है?

(ख) अठारह पापों से बचने के लिए सामायिक में क्या करना चाहिए?

(ग) वीतराग की शरण क्यों स्वीकार की जाती है जबकि वे हमारा भला-बुरा कुछ भी नहीं करते?

(घ) सिद्धों की उपासना के कौन-कौन से रूप हो सकते हैं?

(ङ) रंगों का चुनाव किस आधार पर किया गया है? क्या रंगों का शारीरिक स्वास्थ्य पर भी प्रभाव पड़ता है?